of शुध्) ; (2) दुर्मतिं नाशयति (c. of नश्), छिनत्ति (छिद्, c. 7.), etc. (of men : with gen.). III. To improve, remove defects : perh. : प्र-कर्षति, उत्-, (कृष्, c. 1.).

REFORM (v.i.) : (1) आत्मानं विशोधयति ; (2) पूतं पन्थानं भजते (भज, c. 1.), Vi. iii. and sim. comp.s.

REFORM (subs.) : perh. संशोधनम् : v. Also reformation.

REFORMATION : I. Amendment, improvement : q.v. : (1) संशोधनम् ; (2) प्रकर्षः, -णम्. II. Of one's self : expr. by circumlo. : v. Reform (v.i.). III. Lit., as of an island : पुनरुत्थानम् : v. Formation, appearance.

REFORMATORY (subs.) : *शोधनालयः.

REFORMER : (1) संशोधक (f. धिका : ?) ; (2) धर्मप्रवर्तक (f. र्तिका : of religion) ; (3) by circumlo. : v. To reform.

REFRACT : of rays : perh. परावर्तयति (c. of वृत्). *To be r. ed* : perh. परावर्तते (वृत्, c. 1.).

REFRACTION : perh. परावर्तः *or* परावृत्तिः.

REFRACTORY : (1) प्रतीप (f. पा) ; (2) अविधेय (f. या) : v. Also obstinate.

REFRAIN (v.t.) : नियच्छति (यम्, c. 1.) : v. To restrain, control.

REFRAIN (v.i.) : (1) निवर्तते (वृत्, c. 1.) : v. To abstain ; (2) विरमति (रम्, c. 1.) : v. To desist, cease ; (3) by v.t.

REFRESH : I. In gen. : (1) आश्वासयति, सम्- (c. of श्वस्=to cheer, comfort) ; (2) अभिनन्दयति (c. of नन्द्=to gladden, delight) ; (3) प्रह्लादयति (c. of ह्लाद्=2), *Śiva r.ed them by the cooling command of not to depart* : शिवः प्रह्लादयामास तान् निषेधहिमाम्बुना, Ki. xv. 30. II. To repair, restore : q.v.

REFRESHING (adj.) : (1) प्रह्लादन (f. नी) : v. Delightful ; (2) शीतल (f. ला) : v. Cool ; (3) मधुर (f. रा) : v. Sweet ; (4) श्रमापह (f. हा=fatigue-removing).

REFRESHMENT : I. The act : (1) आश्वासनम् ; (2) प्रह्लादनम् : v. To refresh. II. Food : q.v. : अभ्यवहारः, *to take some r.* : किञ्चिद् अभ्यवहरति ; *r.-room* : *अभ्यवहारशाला.

REFRIGERATORY (subs.) : *शीतसाधणम् ; उष्णनिर्वापणम्.

REFUGE : (1) आश्रयः, संश्रयः, *or* समाश्रयः, *the r. of the wits* : आश्रयो रसिकानाम्, K. ; *take r. with eneimies* : द्विषतां यान्ति संश्रयम्, Ka. xiv. 13. ; (2) शरणम्, *people obtaining your r.* : शरणं भवन्तमधिगम्य जनाः, Ki. xviii. 22. ; *r. of fire* : अग्निशरणम्, Sa. iv. : v. Also shelter, abode.

REFUGEE : (1) शरणागत (f. ता) ; (2) शरणं प्रपन्न (f. न्ना) ; and sim. comp.s.

REFULGENCE : औज्ज्वल्यम् : v. Brilliancy, splendour.

REFULGENT : समुज्ज्वल (f. ला) : v. Brilliant, splendid.

REFUND : प्रतिददाति (दा, c. 3.) : v. To repay.

REFUSAL : I. Rejection, denial : (1) प्रत्याख्यानम् ; (2) प्रत्यादेशः ; (3) by curcumlo. II. Pre-emption : पूर्वक्रयाधिकारः.

REFUSE (v.) : I. Not to grant, decline : न इच्छति (इष्, c. 6.=wish) : v. Also to forbid. II. To reject : q.v. : (1) प्रत्याख्याति (ख्या, c. 2.), *if you r. me being asked* : यदि मां याचितः प्रत्याख्यास्यसि, Mah. i. 74. 16. ; (2) प्रत्याचष्टे (चक्ष्, c. 1.), *I r. not for any fault* : अहं प्रत्याचक्षे न दोषतः, 17.

REFUSE (subs.) : (1) उच्छिष्टम् ; (2) शेषः (3) अवशिष्टम्.

REFUTABLE : (1) निराकरणीय (f. या) ; (2) निरसनीय (f. या) ; etc.

REFUTATION : (1) खण्डनम्, -ना ; (2) निरासः, *your attempt for its r.* : भवतस्तन्निरासप्रयासः, Khaṇḍana Khaṇḍa ; (3) प्रतिक्षेपः ; (4) व्याक्षेपः ; (5) बाधनम् *or* बाधा (=opposition) ; (6) प्रत्याख्यानम् (gainsaying).

REFUTE (v.) : (1) निराकरोति, *r.d evidence produced by a claimant by counter-evidence* : वादिकृतं प्रमाणमन्यैर्निराकरोत् प्रमाणैः, Si. xx. 18. ; (2) निर्-अस्यति, उत्-, व्युत्-, *the weapon of the defeated is to be thus r.d* : अनेन भग्नस्यास्त्रं निरसनीयम्, Khaṇḍana Khaṇḍa ; (3) प्रति-क्षिपति, वि-, (क्षिप्, c. 6.), *r.ing this doctrine* : तमिमं पक्षं प्रतिक्षिपन्तः, D.s. vii. ; (4) खण्डयति, परि-, वि-, (खण्ड, c. 10.=to break, defeat) ; (5) बाधते,